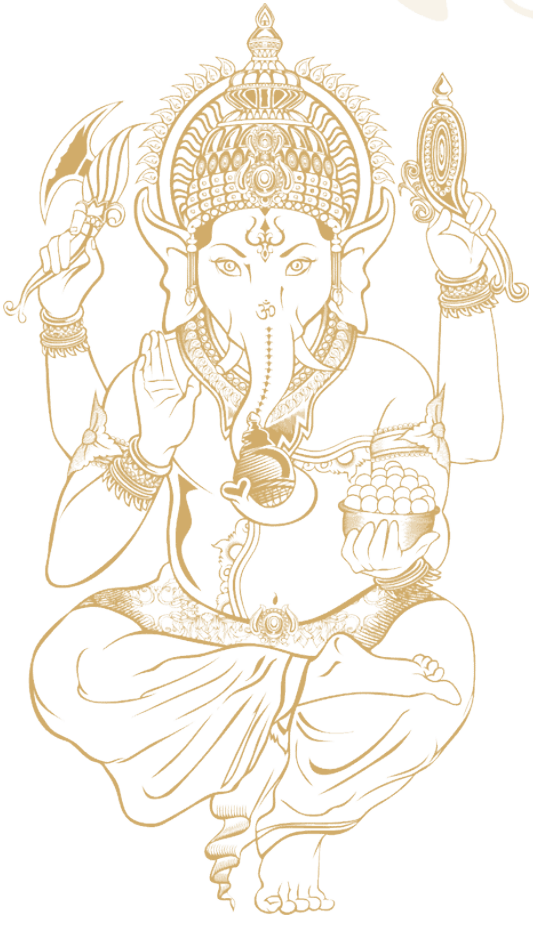

Reena Sharma

25 Nov 1973

10:00 AM

Kolkata

Model: Varshphal-2017

Order No: 120009501

तिथि 25/11/1973 **समय** 10:00:00 **वार** रविवार **स्थान** Kolkata **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:29:49
अक्षांश 22:34:00 उत्तर **रेखांश** 88:21:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** 00:23:24 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	14:39:18 घं
वेलान्तर	00:13:04 घं
सूर्योदय	05:55:57 घं
सूर्यास्त	16:51:07 घं
चैत्रादि संवत	2030
शक संवत	1895
मास	मार्गशीर्ष
पक्ष	शुक्ल
तिथि	1
नक्षत्र	अनुराधा
योग	सुकर्मा
करण	किंस्तुघ्न

अवकहड़ा चक्र

गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूतन
पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-ताम्र
होरा	शनि
चौघड़िया	लाभ

विंशोत्तरी

शनि 4वर्ष 10मा 19दि

सूर्य

15/10/2022
14/10/2028

सूर्य	01/02/2023
चन्द्र	03/08/2023
मंगल	09/12/2023
राहु	01/11/2024
गुरु	21/08/2025
शनि	02/08/2026
बुध	09/06/2027
केतु	15/10/2027
शुक्र	14/10/2028

योगिनी

भ्रामरी 1वर्ष 0मा 10दि

सिद्धा

05/12/2021
05/12/2028

सिद्धा	17/04/2023
संकटा	05/11/2024
मंगला	15/01/2025
पिंगला	06/06/2025
धान्या	05/01/2026
भ्रामरी	16/10/2026
भद्रिका	06/10/2027
उल्का	05/12/2028

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			05:18:40	मक	उत्तराषाढ़ा	3	सूर्य	बुध	---	0:00			
सूर्य			09:16:03	वृश्चि	अनुराधा	2	शनि	शुक्र	मित्र राशि	1.47	ज्ञाति	पितृ	जन्म
चंद्र			13:14:16	वृश्चि	अनुराधा	3	शनि	राहु	नीच राशि	1.10	मातृ	मातृ	जन्म
मंगल	व		01:48:43	मेष	अश्विनी	1	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण	1.78	कलत्र	भ्रातृ	विपत
बुध			19:33:23	तुला	स्वाति	4	राहु	मंगल	मित्र राशि	1.04	अमात्य	ज्ञाति	मित्र
गुरु			13:48:51	मक	श्रवण	2	चंद्र	राहु	नीच राशि	0.96	भ्रातृ	धन	साधक
शुक्र			25:50:13	धनु	पूर्वाषाढ़ा	4	शुक्र	बुध	सम राशि	1.02	आत्मा	कलत्र	क्षेम
शनि	व		09:54:52	मिथु	आर्द्रा	1	राहु	गुरु	मित्र राशि	1.23	पुत्र	आयु	मित्र
राहु	व		05:09:03	धनु	मूल	2	केतु	मंगल	नीच राशि		---	ज्ञान	विपत
केतु	व		05:09:03	मिथु	मृगशिरा	4	मंगल	सूर्य	नीच राशि		---	मोक्ष	वध

लग्न-चलित

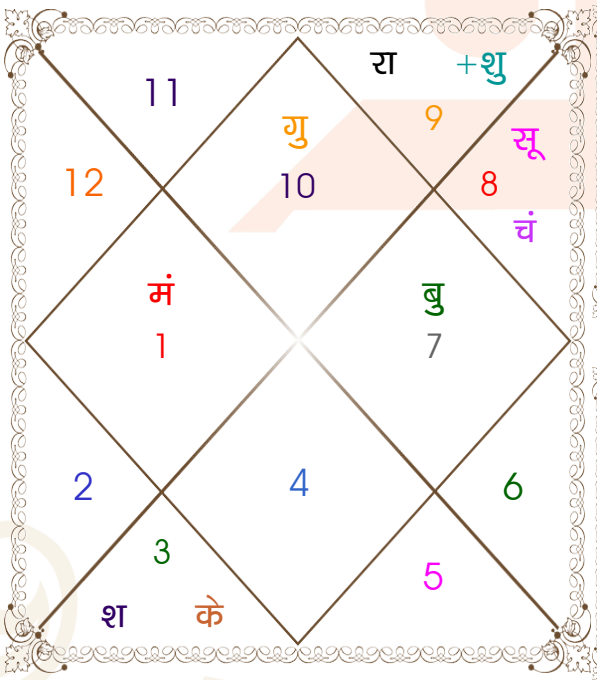

चन्द्र कुंडली

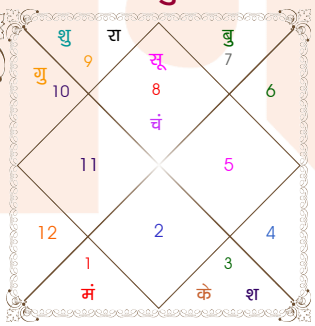

नवमांश कुंडली

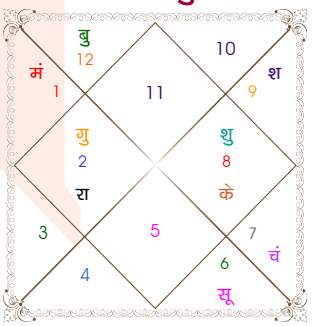

सर्वाष्टकवर्ग

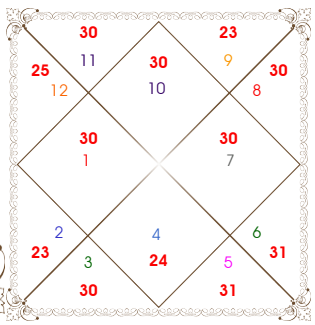

दशमांश कुंडली

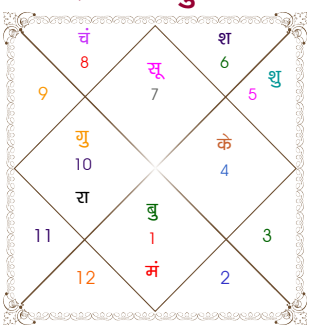

Jay maa kamakhya tantra jyotish Kendra
Shamli, Uttar Pradesh 247776, India
9653182606
chauhansushil679@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरूष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते है। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी । इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यो से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक रूप से अस्वस्थता की अनुभूति करेंगी। साथ ही मानसिक रूप से भी समय समय पर अशान्ति तथा व्याकुलता बनी रहेगी । इस वर्ष में शत्रुपक्ष से आपके लिए अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे परन्तु आप भी दृढ़ता पूर्वक उनका सामना करेंगी तथा अन्ततः उन्हें पराजित करने में समर्थ रहेंगी पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा इसमें अशान्ति तथा कलह का वातावरण रहेगा । पति से भी आपके संबंध इस समय मध्यम ही रहेंगे तथा यदा कदा तनाव उत्पन्न होने के कारण दाम्पत्य सुख में न्यूनता की अनुभूति होगी। मित्र या संबंधियों आदि से भी आपके संबंध सामान्य रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। इस समय आपके रूके हुए कार्य तथा मन में सोचे हुए संकल्प भी अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे। साथ ही आर्थिक स्थिति भी मध्यम रहेगी तथा यदा कदा व्ययाधिक्य के कारण इसमें कोई परेशानी हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए वर्ष परिश्रम एवं संघर्ष पूर्ण रहेगा तथा अत्यंत ही परिश्रम के बाद इसमें सफलता अर्जित होगी। नौकरी या राजनीति में भी इस समय पदोन्नति में विलम्ब तथा बाधाएं उत्पन्न होंगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या राजनेताओं से आपके संबंध विशेष अच्छे नही रहेंगे अतः इनका सहयोग भी अल्प ही रहेगा । सामाजिक मान प्रतिष्ठा में भी इस समय न्यूनता ही रहेगी तथा सुखोपभोग में भी अल्पता होगी। अतः शुभ फलों की प्राप्ति के लिए संघर्ष एवं परिश्रम के मार्ग पर अग्रसर रहें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी एवं नौकरी या राजनीति में किसी प्रभावशाली पद को प्राप्त करने में सफल हो सकती है। व्यापारिक क्षेत्र में भी आपके लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे तथा इच्छित मात्रा में धनार्जन एवं लाभ होता रहेगा साथ ही व्यापार में विस्तार तथा अन्य नवीन कार्यो को भी आप प्रारम्भ करेंगी जिससे प्रचुर आय होगी ।फलतः आर्थिक रूप से आपकी स्थिति सुदृढ़ रहेगी। इस वर्ष शत्रु वर्ग को पराजित करने में समर्थ रहेंगी फलतः चुनाव मुकद्दमे, व्यापारिक प्रतियोगिता या अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में आपको सफलता मिलने की प्रबल संभावनाएं रहेंगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के लोग या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण लाभ तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही वे आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।सामाजिक क्षेत्र में भी इस समय आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आपके विगत रूके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा भाग्योदय संबधी किसी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य में आपको सफलता मिलेगी। अन्य सांसारिक कार्यो से भी आपको खुशी होगी एवं कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आप को संतति की प्राप्ति या संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग भी प्राप्त होगा।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में वाहन संबधी सुख भी मिलेगा। अतः आपका अधिकांश समय सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङगोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगी। शत्रुपक्ष से इस वर्ष आपको समय समय पर अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी परन्तु दृढ़ता पूर्वक आप उनका सामना करके उन्हें पराजित करने में समर्थ रहेंगी।इस समय आपके घर में किसी चोरी आदि होने की भी संभावना रहेगी अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। आर्थिक स्थिति भी इस वर्ष में सामान्य रहेगी तथापि आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा लेकिन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा परन्तु इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस वर्ष में आपकी यात्राएं भी होंगी परन्तु इनसे कोई विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य किंचित परेशानी भी हो सकती है।

इस वर्ष में मित्र तथा बन्धुवर्ग से आपके संबध सामान्य रहेंगे तथापि इच्छित सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। फिर भी आपको इनसे सन्तुष्टि रहेगी। नौकरी या व्यापार आदि के लिए भी वर्ष सामान्यतया शुभ ही रहेगा परन्तु स्वपराक्रम एवं परिश्रम से आप लाभ एवं उन्नति प्राप्त कर सकेंगी।साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में किसी नवीन कार्य के प्रारंभ करने के विषय में आपकी कोई योजना भी बन सकती है। इस समय आपके विगत रूके हुए कार्यो में भी न्यूनाधिक सफलता मिलेगी तथा मानसिक संकल्प भी पूर्ण हो सकते हैं। अतः यदि आप इस वर्ष में और अधिक परिश्रम तथा पराक्रम का प्रदर्शन करेंगी तो आपको अधिक शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

प्रथम मास

25/11/2025 17:52:21 से 25/12/2025 06:44:20 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	मृगशिरा	25:30:03
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	09:16:04
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:52:01
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:01:15
बुध	व	तुला	विशाखा	28:09:57
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:36:50
शुक्र		तुला	विशाखा	29:05:03
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	00:56:38
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:12:33
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	20:12:33
मुंथा		वृष	कृतिका	05:18:40

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

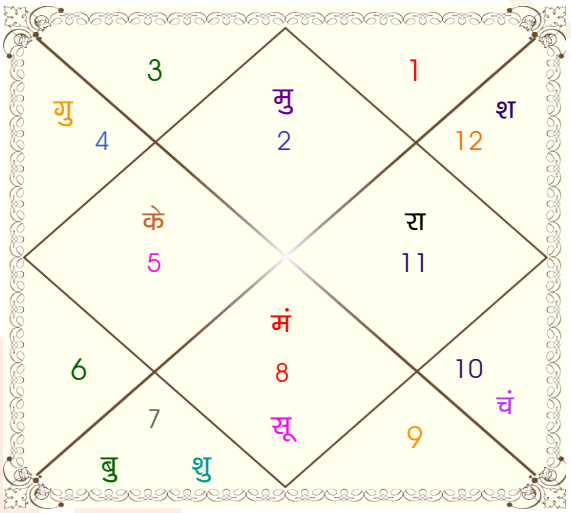

आपका यह मास सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। इस समय आप शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगी तथा मानसिक रूप से भी प्रसन्नता प्राप्त करेंगी। साथ ही आपके पराक्रम में भी वृद्धि होगी एवं शत्रुवर्ग आपसे भयभीत होगा। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से इस समय आप सम्मान अर्जित करेंगी एवं लाभमार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। साथ ही कार्य के अतिरिक्त अन्य स्रोंतो से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगी। आप इस मास में समाज तथा बन्धु वर्ग से पूर्ण मान सम्मान प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करेंगी। इसके साथ ही भाग्यबल से आपके रुके हुए कार्य भी सम्पन्न होंगे। इस प्रकार आप सांसारिक कार्यों में पूर्ण सफलता अर्जित करेंगी एवं प्रसन्नतापूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा न्यूनाधिक अशुभ फल भी प्राप्त हो सकते हैं। इससे आप गर्मी तथा पित्त से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा किसी प्रकार से आपमें रक्त विकार भी उत्पन्न हो सकता है। अतः शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति पूर्ण सतर्क रहें।

द्वितीय मास

25/12/2025 06:44:20 से 23/01/2026 17:33:17 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:28:13
सूर्य		धनु	मूल	09:16:03
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	05:49:48
मंगल		धनु	मूल	13:09:30
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:58:56
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	28:00:59
शुक्र		धनु	मूल	06:14:26
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:34:44
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	17:02:11
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	17:02:11
मुंथा		वृष	कृतिका	07:48:40

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

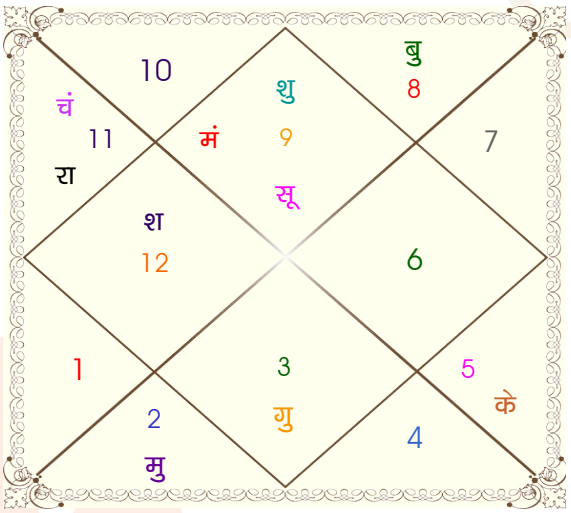

इस मास में आप शुभाशुभ फलों को प्राप्त करेंगी। आपके शरीर में इस समय रुग्णता के कारण निर्बलता रहेगी तथा शत्रु भी प्रबल होंगे एवं आपके लिए अनावश्यक रूप से भय तथा चिन्ता उत्पन्न करेंगे। इससे आप मानसिक रूप से अशान्त रहेंगी। आपके घर में इस समय चोरी आदि भी हो सकती है अतः सावधान रहें। यदि आप कहीं कार्य कर रही हों तो आपको अपने उच्चाधिकारियों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए अन्यथा आप दंडित हो सकती हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे साथ ही धन का भी आप अनावश्यक रूप से व्यय करेंगी। इस मास आप किसी कठोर कार्य को करने के लिए भी प्रेरित हो सकती हैं। जिससे बाद में आपको पछताना पड़ेगा अतः कोई भी कार्य आपको सोच समझ कर सम्पन्न करना चाहिए। आपके मित्रों तथा सम्बन्धियों से सम्बन्धों में तनाव का वातावरण रहेगा। साथ ही समाज में आपके सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त आपकी आशाएं भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगी। इससे आप पति या पुरुष वर्ग से लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा स्वबुद्धि चातुर्य से अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगी। धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगी एवं किसी धार्मिक उत्सव को सम्पन्न करेंगी। इस प्रकार यह मास आप मध्यम रूप से ही व्यतीत करेंगी।

तृतीय मास

23/01/2026 17:33:17 से 22/02/2026 08:28:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	13:19:15
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	09:16:03
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	05:00:43
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	05:52:02
बुध		मकर	श्रवण	10:30:18
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	24:09:03
शुक्र		मकर	श्रवण	13:17:04
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	03:37:09
राहु		कुम्भ	शतभिषा	15:08:41
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:08:41
मुंथा		वृष	रोहिणी	10:18:40

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

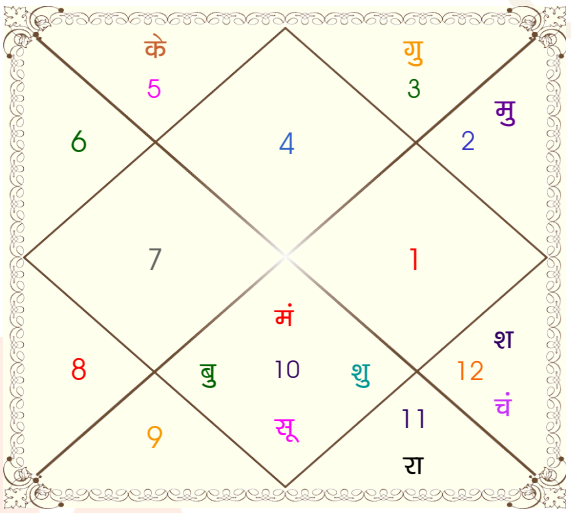

इस महीने में आप शुभ फलों को ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभार्जन करने में सफल रहेंगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होगे।पति या पुरूषवर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा लाभार्जन करेंगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा हृदय से भी प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन के प्रति आपकी इच्छा जाग्रत होगी एवं इसमें आप सफल रहेंगी ।मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा इनसे अपेक्षित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस मास आप वांछित पदार्थों की भी प्राप्ति करेंगी एवं सुख पूर्वक इनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगी। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगी एवं उनसे वांछित सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी। इस समय समाज में आपका यश दूर दूर तक फैलेगा एवं सर्वत्र आपको उचित मान प्रतिष्ठा की प्रप्ति होगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतःआपको गर्मी या पित्त दोष के द्वारा शारीरिक रूप से कष्टानुभूति होगी एवं रक्त विकार की भी सम्भावना रहेगी तथा अग्नि से भी धन हानि हो सकती है। अतः सोच समझ कर अपने कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

चतुर्थ मास

22/02/2026 08:28:33 से 24/03/2026 08:40:58 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	25:33:29
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	09:16:03
चन्द्र		मेष	अश्विनी	07:48:12
मंगल		मकर	धनिष्ठा	29:06:07
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:56:09
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:20:06
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:24:32
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:41:32
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:44:50
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:44:50
मुंथा		वृष	रोहिणी	12:48:40

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

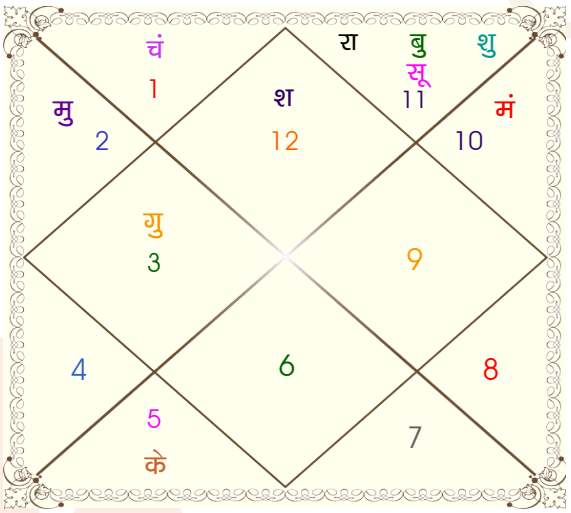

इस मास में आप उत्तम एवं शुभ फलों को अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगी तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में सफल सिद्ध होंगी। साथ ही समाज में आपकी यश तथा प्रतिष्ठा भी दूर दूर तक व्याप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करने के लिए प्रवृत रहेंगी। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी आप कार्य करती रहेंगी। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय एवं सहयोग प्राप्त करेंगी। इससे आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस समय मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आप वांछित सहयोग प्राप्त करेंगी तथा उन्हें अपनी सहायता प्रदान करेंगी। इसके अलावा आप अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी समर्थ रहेगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा बुद्धि में भी निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी। नाना प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग करेंगी तथा धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी जिसके फलस्वरूप आप घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन कर सकेंगी। इस प्रकार यह मास आपके लिए सुख दायक रहेगा।

पंचम् मास

24/03/2026 08:40:58 से 23/04/2026 21:03:58 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	कृतिका	04:20:36
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	09:16:04
चन्द्र		वृष	रोहिणी	17:07:06
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:43:38
बुध		कुम्भ	शतभिषा	14:47:09
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:08:04
शुक्र		मीन	रेवती	27:42:40
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	10:20:28
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:30:57
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:30:57
मुंथा		वृष	रोहिणी	15:18:40

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

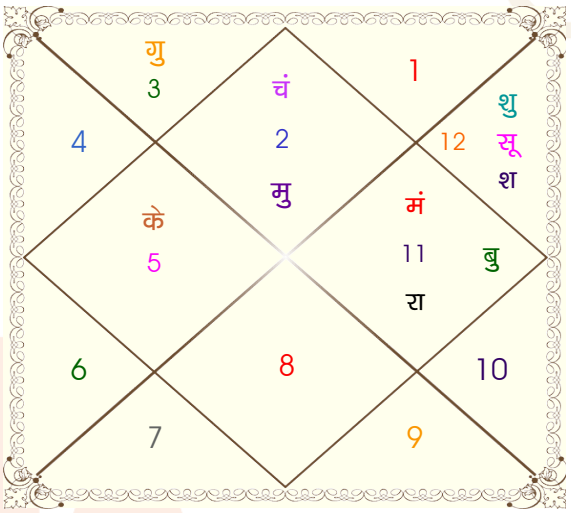

इस मास में आप शुभ फल प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इससे आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मन से भी आप शान्त रहेंगी। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष को पराजित करने में आप सफल रहेंगी। साथ ही आपके आय स्त्रोंतो में भी उन्नति तथा वृद्धि होगी। फलतः इस मास में आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। इसके साथ ही व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोंतो से भी लाभार्जन करेंगी। इस मास में आप भाग्योदय संबधी कार्य को सम्पन्न करेंगी जिससे आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी तथा रूके हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सफल हो जाएंगे। अपने मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग भी अर्जित करेंगी।

इसके साथ ही इस मास में आपके श्रेष्ठ जन तथा उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे एवं आप उनसे पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगी। इस समय आजिविका संबधी कार्य में भी उन्नति होगी तथा दूर समीप की यात्रा भी कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त आप इस समय नवीन वस्त्रों तथा द्रव्यों को भी प्राप्त कर सकेंगी। अतः यह मास आप प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगी।

षष्ठ मास

23/04/2026 21:03:58 से 24/05/2026 21:19:48 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:38:51
सूर्य		मेष	अश्विनी	09:16:03
चन्द्र		कर्क	पुष्य	03:23:55
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	16:29:48
बुध		मीन	रेवती	18:48:35
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	23:43:14
शुक्र		वृष	कृतिका	05:08:27
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:04:29
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:06:49
केतु	व	सिंह	मघा	13:06:49
मुंथा		वृष	रोहिणी	17:48:40

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

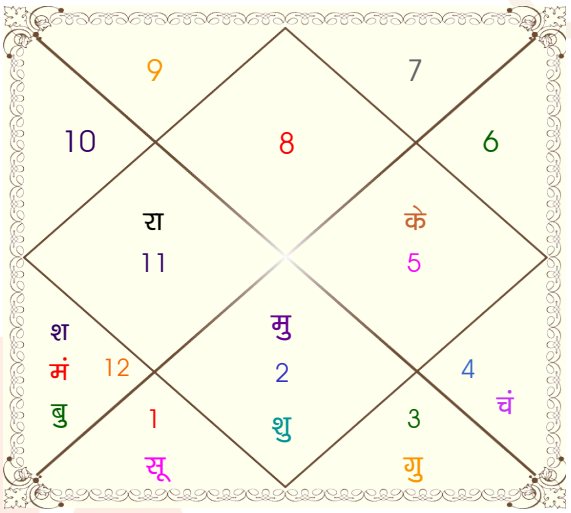

इस महीने में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आप पति तथा बन्धुजनों से कष्ट प्राप्त करेंगी अथवा इनको किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। आपके शत्रु भी इस मास में बलवान रहेंगे फलतः आपके लिए वे समय समय पर समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। इस समय आप में लोलुपता के भाव की अधिकता रहेगी धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा जिससे आप आर्थिक दृष्टि से भी कमजोर होंगी। इस समय आपके मन में उत्साह के भाव की कमी स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होंगी। साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा इससे आप दुर्बलता की अनुभूति भी करेंगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके परस्पर अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा ये सभी लोग ऐसे समय में शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आप मानसिक कष्ट प्राप्त करेंगी। साथ ही पारिवारिक तथा अन्य जनों से भी वाद विवाद होते रहेंगे। अतः संयम पूर्वक समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी अर्जित करेंगी। इससे आप पति एवं पुत्र से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा इनसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आप नवीन वस्त्र या आभूषणों आदि को भी प्राप्त करने में समर्थ हो सकेंगी।

सप्तम् मास
24/05/2026 21:19:48 से 25/06/2026 05:51:52 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	22:33:51
सूर्य		वृष	कृतिका	09:16:03
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:43:03
मंगल		मेष	अश्विनी	10:04:05
बुध		वृष	रोहिणी	21:07:11
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	28:29:18
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	12:28:03
शनि		मीन	रेवती	17:22:01
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	10:27:44
केतु	व	सिंह	मघा	10:27:44
मुंथा		वृष	रोहिणी	20:18:40

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

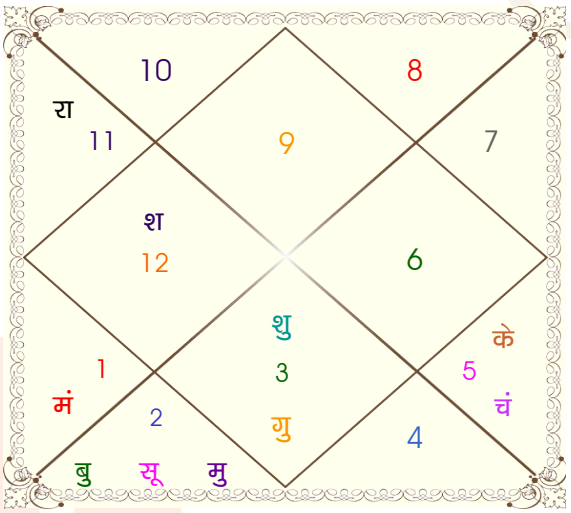

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः शारीरिक दुर्बलता बनी रहेगी। साथ ही शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी जिससे मानसिक रूप से उद्विग्न तथा अशान्त रहेंगी। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी भी हो सकती है। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें अन्यथा दंड मिलने की भी संभावना रहेगी। इस समय आपको शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मिलेगी। इस मास में आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से आप कष्ट प्राप्त करेंगी। इस समय आपकी बुद्धि किसी ऐसे कार्य को करने के लिए प्रवृत होगी जिसके लिए बाद में पश्चाताप करेंगी। साथ ही मित्रों एवं संबधियों से भी मधुर संबध नहीं रहेंगे। इसके अतिरिक्त समाज से भी आप अपने को उपेक्षित समझेगी एवं आपकी आशाएं भी इस मास में अपूर्ण ही रहेंगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा शुभ फल भी होंगे। अतः आप पति एवं पुत्र का वांछित सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगी। इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं की भी प्राप्ति कर सकती हैं। इससे आप अल्प मात्रा में मानसिक रूप से सन्तुष्टि एवं शान्ति की अनुभूति कर सकेंगी।

अष्टम् मास
25/06/2026 05:51:52 से 26/07/2026 16:37:57 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	21:21:18
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	09:16:03
चन्द्र		तुला	स्वाति	14:40:36
मंगल		वृष	कृतिका	03:03:17
बुध		कर्क	पुनर्वसु	01:10:32
गुरु		कर्क	पुष्य	04:39:39
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	19:08:29
शनि		मीन	रेवती	19:40:21
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	07:32:25
केतु	व	सिंह	मघा	07:32:25
मुंथा		वृष	रोहिणी	22:48:40

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

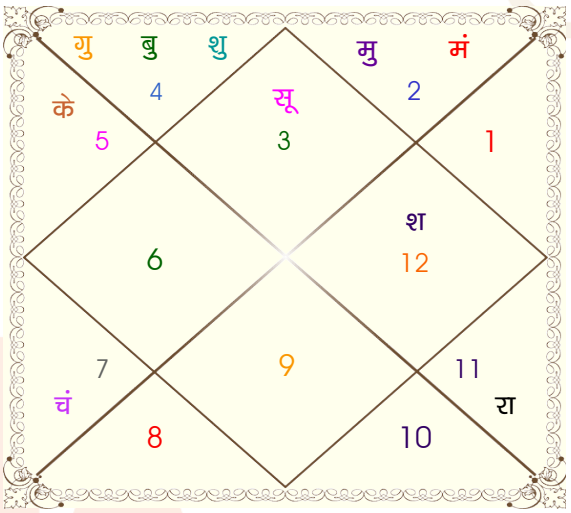

इस महीने में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगी। इस समय आपका व्यय अधिक होगा तथा दुष्ट व्यक्तियों से आपका मेल जोल रहेगा जिससे आप कष्ट प्राप्त करेंगी ।साथ ही धनाभाव की समस्या भी उत्पन्न होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं मानसिक रूप से भी आप बैचेन तथा अशान्त रहेंगी। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यधिक परिश्रम के उपरान्त भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति भी आपकी विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों का भी उचित पूजन तथा सम्मान नहीं करेंगी। साथ ही अन्य प्रकार से भी हानि के योग बन सकते है। इस मास में आपके मित्र तथा बन्धुवर्ग से अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित एवं भयभीत रहेंगी तथा जिस कार्य को भी आप प्रारंभ करेंगी उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी। फलतः कष्ट पूर्वक आप इस मास को व्यतीत करेंगी।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त करेंगी। इस समय पुरूष वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करेंगी तथा आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी आप इस मास में कर सकेंगी।

नवम् मास
26/07/2026 16:37:57 से 26/08/2026 22:55:46 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:16:32
सूर्य		कर्क	पुष्य	09:16:03
चन्द्र		धनु	मूल	04:28:52
मंगल		वृष	मृगशिरा	25:04:45
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	22:23:23
गुरु		कर्क	पुष्य	11:30:18
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:00:56
शनि		मीन	रेवती	20:31:09
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:48:41
केतु	व	सिंह	मघा	05:48:41
मुंथा		वृष	मृगशिरा	25:18:40

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

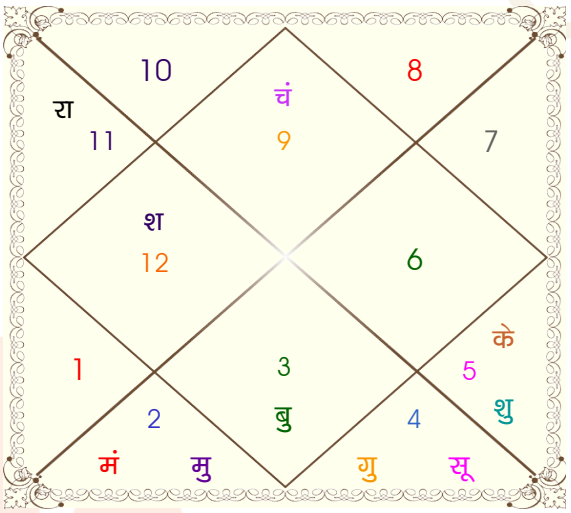

इस मास में आप अशुभ फल शुभ फलों की अपेक्षा अधिक अर्जित करेंगी जिससे आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी। इस समय शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं उनसे आप अनावश्यक कष्ट भी प्राप्त करेंगी। इस मास में आपके घर में चोरी भी हो सकती है। अतः सतर्क रहना श्रेयस्कर रहेगा। इस समय आपको उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पूर्ण पालन करना चाहिए तथा किसी भी प्रकार से उपेक्षा नहीं करनी चाहिए अन्यथा आप दण्डित हो सकती हैं। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे। साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आप आर्थिक रूप से परेशान रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगी जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा उनसे विशेष सहयोग प्राप्त करने में असफल रहेंगी तथा आपकी आशाएं भी कम ही पूर्ण होगी। अतः धैर्यपूर्वक समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे। अतः आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा अपनी बुद्धि के कौशल से प्रचुर मात्रा में धन तथा सुखार्जन करने में सफल रहेंगी। साथ ही समाज में आप यश प्राप्त करने में भी समर्थ हो सकेंगी।

दशम् मास
26/08/2026 22:55:46 से 26/09/2026 19:23:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	11:45:02
सूर्य		सिंह	मघा	09:16:03
चन्द्र		मकर	श्रवण	22:21:51
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	15:47:49
बुध		सिंह	मघा	08:16:45
गुरु		कर्क	आश्लेषा	18:21:04
शुक्र		कन्या	चित्रा	24:33:54
शनि	व	मीन	रेवती	19:43:39
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:36:30
केतु		सिंह	मघा	05:36:30
मुंथा		वृष	मृगशिरा	27:48:40

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

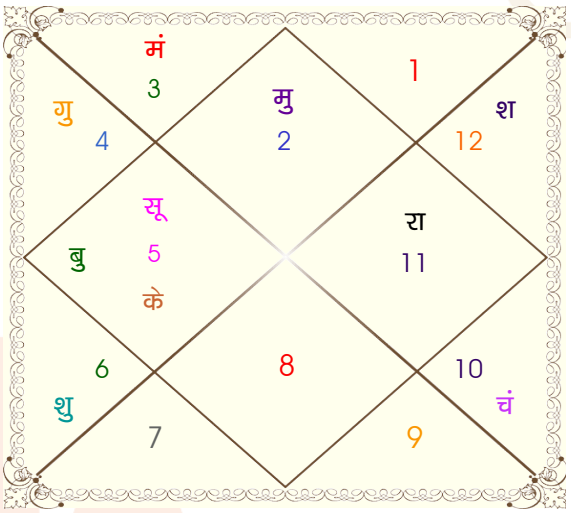

इस महीने में आप शुभ फल अधिक तथा अशुभ फल अल्प मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आप शारीरिक तथा मानसिक रूप से पूर्ण स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगी। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी फलतः आपके शत्रु आपसे पराजित तथा भयभीत रहेंगे तथा अन्य लोग भी आपका सम्मान करेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी अतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। साथ ही नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। इस मास में आपके भाग्योदय संबधी कार्य सम्पन्न होंगे तथा कोई ऐसा महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध होगा जिससे आप अत्यंत ही प्रसन्नता प्राप्त करेंगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे वांछित सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगी। आपके अधिकाशं सांसारिक कार्य इस समय सम्पन्न होंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। फलतः कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी एवं लोगों से यथोचित सम्मान प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे। अतः आप वातोत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगी एवं किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगी जिससे आपके सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको हानि हो सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

एकादश मास

26/09/2026 19:23:33 से 27/10/2026 03:29:57 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	16:46:02
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	09:16:04
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	07:44:28
मंगल		कर्क	पुष्य	04:51:35
बुध		तुला	चित्रा	00:23:51
गुरु		कर्क	आश्लेषा	24:33:13
शुक्र		तुला	स्वाति	13:25:04
शनि	व	मीन	रेवती	17:41:23
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:18:08
केतु	व	सिंह	मघा	05:18:08
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	00:18:40

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

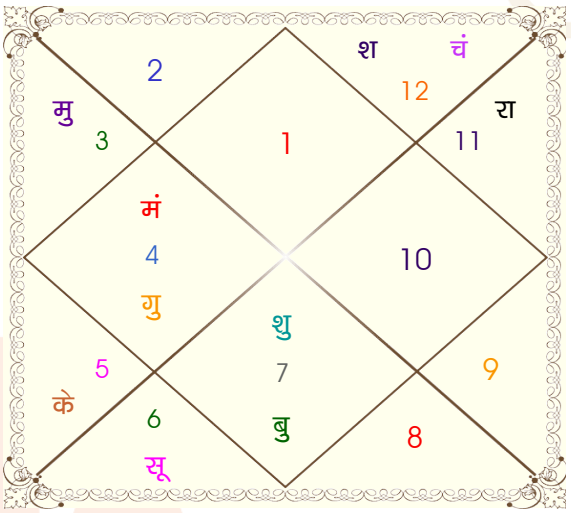

इस महीने में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी अल्प मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम के द्वारा धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगी तथा विविध प्रकार से सांसारिक सुखों का भी प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगी। समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथा योग्य सम्मान प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करती रहेंगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मान सम्मान की प्राप्ति होती रहेगी साथ ही समाज के अन्य लोंगो की भी भलाई करती रहेंगी। उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय तथा सम्मान प्राप्त होगा एवं आपके शुभ तथा महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी फलतः आप मानसिक रूप से भी प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी से उत्पन्न होने वाले रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी तथा रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः शारीरिक सुरक्षा का इस मास में पूर्ण ध्यान रखें तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

द्वादश मास

27/10/2026 03:29:57 से 26/11/2026 00:05:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	09:06:55
सूर्य		तुला	स्वाति	09:16:03
चन्द्र		मेष	भरणी	19:16:11
मंगल		कर्क	आश्लेषा	21:47:14
बुध	व	तुला	विशाखा	26:16:03
गुरु		कर्क	आश्लेषा	29:26:32
शुक्र	व	तुला	चित्रा	04:50:11
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:23:09
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	03:17:00
केतु	व	सिंह	मघा	03:17:00
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	02:48:40

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

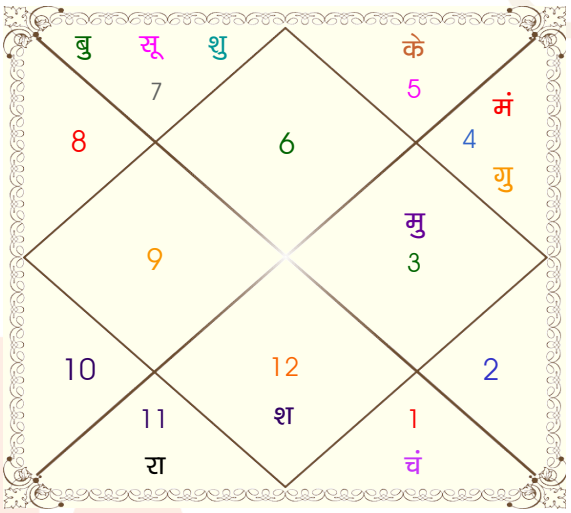

इस महीने में आप अपने कार्य क्षेत्र में आशातीत सफलता अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही आपके उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सहयोग तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। फलतः आप उन्नति की ओर अग्रसर होंगी। अपने बन्धुओं तथा मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही समाज में अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को सम्पन्न करने में भी आप तत्पर रहेंगी।आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इसी मास में सम्पन्न होंगे अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप उनकी सेवा करेंगी। इस समय समाज में सर्वत्र आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका आदर करेंगे। आपकी कीर्ति भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगी तथा अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आपको नवीन गृह की प्राप्ति या कोई स्थान परिवर्तन हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप पति तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगी तथा आप नवीन वस्त्र या स्वर्णादि के आभूषण भी प्राप्त करेंगी। अतः प्रसन्नता पूर्वक आपका यह समय व्यतीत होगा।